

પાઠ 4

ત્યોહાર ઝૂંપોર ઢોજન

1. નીચે કુછ ત્યોહારો ઝે યિત્ર બને હૈં | પ્રત્યેક કે નીચે ઝનકા નામ લિખિય |



2. इन त्योहारों के अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रीय पर्व और त्योहार होते हैं, जिनको लोग निल-जुलकर मनाते हैं। आपले यहाँ और कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं?

तरह-तरह के पकवान

प्रत्येक पर्व त्योहार के मौके पर खास तरह के पकवान बनाए जाते हैं। सब मिलकर साथ में खाना खाते हैं। गए-गए कपड़े व तरह-तरह के पकवानों का पूरा मज़ा तो आप लेगे उठाते हैं।

3. आपको कौन सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है? इस दिन घर में कौन-कौन से पकवान बनाए जाते हैं?

4. नीचे सारणी में कुछ पकवानों के नाम दिए गए हैं। आपको बताना है कि ये पकवान किस त्योहार पर बनाए व खाए जाते हैं?

क्र.सं.	पकवान	त्योहार
1.	पुआ	
2.	रावू	
3.	लसू, वान का लावा	
4.	दही, बूड़ा, गिलकूट	
5.	रेट-मलीदा	
6.	केक	
7.	खिचड़ी	
8.	हलवा	
9.	गड्डा की रोटी	
10.	झिंगी की तरकारी	

भोज-मात



5. शादी-विवाह में भी तरह-तरह के पकवान बनते हैं। आप भी किसी शादी-विवाह में गए होंगे। वहाँ आपने क्या-क्या खाया?

6. घर में, घर के सदस्य मिलकर खाना बनाते हैं। शादी-विवाह में भोजन कौन-कौन बनाता है?

7. इतने लोगों को भोजन एक साथ कैसे खिलाया जाता है?

8. जूते बर्तनों की सफाई-सफाई जौन करता है?

विद्यालय में भोजन

9. क्या आपके विद्यालय में भी एक साथ भोजन कराया जाता है? अगर हाँ, तो बताइए—

(i) आप विद्यालय में किरा रागत भोजन करते हैं? —————

(ii) आपके विद्यालय में भोजन कौन बनाता है ? —————

(iii) आपके विद्यालय में भोजन कैसे प्रेसा जत्त है ? —————

(iv) आपके विद्यालय में किस दिन कौन-कौन सा भोजन प्रेसा जत्त है?

क्र.सं.	दिन	आने की चीज
1.	सोमवार	
2.	मंगलवार	
3.	बुधवार	
4.	गुरुवार	
5.	शुक्रवार	
6.	शनिवार	

VKIDS FOKY; ESA NKSIGJ DK HKKSTU FEYRK GKSXKA DQN ,SLS HKH
VKOKLH; FOKY; GSAJ TGK CPPS JGDJ I=RS GSAA MUDS LQCG& KKEJ

10. (i) क्या आपके आस-पास कोई आवासीय विद्यालय है? —————

- (ii) आपस में चर्चा करके लिखिए कि आवासीय विद्यालयों में भोजन की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है?



पटना साहिब हर मंदिर का चित्र



लंगर खाते गुरु

सिक्खों के पूजन स्थल को गुरुद्वारा कहा जाता है। पटना साहिब में जहाँ सिक्खों के दसवें गुरु "गुरु गोविन्द सिंह" का जन्म हुआ था, वहाँ एक बहुत बड़ा गुरुद्वारा है, जो तख्त हरमंदिर साहिब कहलाता है। यहाँ सभी श्रद्धालु भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था होती है, जिसे लंगर कहा जाता है। लंगर में सभी लोग एक-साथ बैठकर भोजन करते हैं। भोजन रागरी लाने, धोने, काटने, पकाने एवं परोराने का काम सभी मिलकर करते हैं। बर्तनों की सफाई का कार्य भी लोग स्वयं ही करते हैं। लंगर की पूरी व्यवस्था लोगों के सहयोग पर आधारित होती है।